RNI No.: UPHIN/25/A1698

NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 245
दि. 05.01.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम ने किया 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारम्भ

लखनऊ : (जीएनएस)।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा, वाराणसी में आयोजित 72वीं 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री जी ने आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें वाराणसी से सांसद होने के नाते सभी खिलाड़ियों का स्वागत और अभिनन्दन करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। देश के 28 राज्यों की टीमें 72वें 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' में एकत्रित हुई हैं, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का सुन्दर चित्र प्रस्तुत करती हैं। खिलाड़ी अथक परिश्रम के बाद इस राष्ट्रीय टूनार्मेन्ट तक पहुंचे हैं। आने वाले दिनों में वाराणसी के मैदान पर उनके परिश्रम की परीक्षा होगी।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि वॉलीबॉल कोई साधारण खेल नहीं, बल्कि सन्तुलन और सहयोग का खेल है, जहां गेंद को हमेशा हवा में रखने के प्रयास में दृढ़ संकल्प की झलक दिखती है। वॉलीबॉल खिलाड़ियों को टीम भावना से जोड़ता है, जहां प्रत्येक खिलाड़ी 'टीम पहले' के मंत्र से प्रेरित होता है। भले ही प्रत्येक खिलाड़ी के पास अलग-अलग कौशल हों, लेकिन सभी अपनी टीम की जीत के लिए खेलते हैं। उन्होंने भारत के विकास की कहानी और वॉलीबॉल के बीच समानताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह खेल हमें सिखाता है कि कोई भी जीत अकेले प्राप्त नहीं होती, बल्कि जीत समन्वय, विश्वास और टीम की तैयारी पर निर्भर करती है। सफलता तभी मिलती है, जब प्रत्येक खिलाड़ी गम्भीरता से अपनी जिम्मेदारी निभाता है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि स्वच्छता से लेकर डिजिटल भुगतान तक, 'एक पेड़ माँ के नाम' से लेकर विकसित भारत अभियान तक, प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक प्रान्त की सामूहिक चेतना और 'भारत पहले' की भावना के साथ काम करते हुए देश प्रगति कर रहा है। आज पूरी दुनिया भारत के विकास और अर्थव्यवस्था की सराहना कर रही है। यह प्रगति केवल आर्थिक मोर्चे तक ही सीमित नहीं, बल्कि खेल जगत में दिख रहे आत्मविश्वास में भी झलकती है। हाल के वर्षों में, वर्ष 2014 से विभिन्न खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। मुझे जेन-जेड खिलाड़ियों को मैदान पर तिरंगा फहराते देखकर गर्व की अनुभूति होती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 04 जनवरी, 2026 को वाराणसी में 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' का शुभारम्भ करने के पश्चात कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए।

उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 04 जनवरी, 2026 को डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम, वाराणसी में आयोजित 72वीं 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' के शुभारम्भ कार्यक्रम के अवसर पर।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि पूर्व की सरकार और समाज में खेलों के प्रति उदासीनता के कारण खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी रहती थी, जिससे बहुत कम युवा खेलों को अपना करियर बनाते थे। विगत एक दशक में खेलों के प्रति सरकार और समाज दोनों की सोच में बदलाव आया है।

सरकार ने खेल के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है। आज भारत का खेल मॉडल 'खिलाड़ी-केन्द्रित' हो गया है, जिसमें प्रतिभा की पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण और पारदर्शी चयन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि खिलाड़ियों के हितों को प्रत्येक स्तर पर प्राथमिकता दी जाए।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज देश में प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है और खेल भी उनमें से एक है। सरकार ने खेल के क्षेत्र में कई बड़े सुधार किए हैं, जिनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और खेलो भारत नीति-2025 शामिल हैं। इनसे प्रतिभाओं को अवसर मिलेंगे और खेल संगठनों में पारदर्शिता बढ़ेगी। इससे युवाओं को खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। 'टॉप्स' (टॉरगेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम) जैसी पहल भारत में खेल जगत को बदल रही हैं। इसमें मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने, वित्तपोषण तंत्र विकसित करने और युवा खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि विगत एक दशक में भारत ने अपने कई शहरों में 20 से अधिक प्रमुख अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की है, जिनमें फीफा अण्डर-17 विश्व कप, हॉकी विश्व कप और प्रमुख शतरंज टूनार्मेंट शामिल हैं। वर्ष 2030 के राष्ट्रमण्डल खेल भारत में आयोजित किए जाएंगे। देश वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने के बेहतर अवसर प्रदान करना है। विद्यालय स्तर पर भी युवा खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों से परिचित कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 'खेलो इण्डिया' अभियान के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। कुछ दिन पूर्व 'सांसद खेल महोत्सव' का समापन हुआ, जिसमें लगभग एक करोड़ युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 'सांसद खेल महोत्सव' के दौरान वाराणसी के लगभग तीन लाख युवाओं ने मैदान पर अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया। वाराणसी में आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित की जा रहीं हैं। खेलों के लिए स्टेडियम बनाये जा रहे हैं। सिगरा स्थित स्टेडियम कई आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

(जीएनएस)।

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नए साल के तीसरे दिन वाराणसी पहुंचे। दो दिवसीय दौरे के पहले दिन शनिवार को उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। सीएम व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आदि योगी के दर्शन किए। बाबा के गर्भगृह में जाकर उन्होंने विधिविधान से पूजा कर लोककल्याण की कामना की। समीक्षा बैठक के उपरांत सीएम व गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने 'काशी कोतवाल' बाबा काल भैरव का विधि विधान से पूजा कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के सुखी-समृद्ध जीवन की कामना की।

हजरतगंज थाने में बयान दर्ज नहीं हो सके : नेहा सिंह राठौर

नेहा सिंह राठौर के खिलाफ 27 अप्रैल को हजरतगंज थाने में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी

हमले को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कमेंट पोस्ट करने का आरोप लगा था। नेहा रात 11 बजे करीब थाने से बाहर आ गईं, उन्होने कहा कि आज उनके बयान दर्ज नहीं हो सके। हो सकता है कि उन्हें आगे बुलाया जाए।

'सपा सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल मिलेंगे 40 हजार...' अखिलेश यादव ने किया ऐलान; कहा- भाजपा हर मोर्चे पर फेल हो चुकी

(जीएनएस)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर एक बार फिर से जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से समाज का हर वर्ग परेशान है... समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर एक बार फिर से जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से समाज का हर वर्ग परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता को गुमराह करने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाएगी और मंत्रिमंडल विस्तार के नाम पर जनता को धोखा देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए लोगों को सावधानी के साथ राजनीति करनी होगी। उन्होंने ऐलान किया कि यदि वर्ष 2027 में प्रदेश में सपा की सरकार बनती है तो पात्र महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

प्रदेश के हर विभाग में भ्रष्टाचार

फैला हुआ है

अखिलेश यादव शनिवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों से सपा मुख्यालय पहुंचे कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर विभाग में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। यूरिया खाद, धान खरीद समेत कई जगहों पर कालाबाजारी और मुनाफाखोरी हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह खराब कर दिया है।

'भाजपा हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है'

सपा प्रमुख ने कहा, किसानों को उनकी फसलों का सही दाम नहीं मिल रहा है और दुग्ध उत्पादकों को भी दूध का उचित मूल्य नहीं दिया जा रहा। बिचौलिए मुनाफा कमा रहे हैं और सरकार उन्हें संरक्षण दे रही है। अखिलेश यादव ने कार्यकताओं से कहा कि जनता को भाजपा सरकार की नाकामियां बतानी होंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है और बजट के नाम पर जनता को गुमराह किया जा रहा है।

सपा कार्यालय में मनी सावित्रीबाई फुले की जयंती

(जीएनएस)।

प्रयागराज। देश की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधार की अग्रदूत और नारी शिक्षा की प्रतीक सावित्रीबाई फुले की जयंती आज समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में पार्टी नेताओं, कार्यकताओं ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में शिक्षा की अलख जगाई जब महिलाओं और दलितों को पढ़ने-लिखने से वंचित रखा जाता था। उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों, जातिवाद और पितृसत्ता के खिलाफ संघर्ष करते हुए न केवल लड़कियों के लिए स्कूल खोले, बल्कि समाज को बराबरी, न्याय और मानवता का संदेश दिया। प्रयागराज पर्यटन जानकारी

विधायक संदीप पटेल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन आज भी सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वालों के लिए प्रेरणास्रोत है।

जिलाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के अधिकार की पक्षधर रही है।

सावित्रीबाई फुले के विचार समाजवादी विचारधारा से मेल खाते हैं, क्योंकि उन्होंने शोषित-वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया। आज के समय में जब शिक्षा के निजीकरण और महंगाई के कारण गरीब तबके के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, तब सावित्रीबाई फुले के संघर्ष और भी प्रासंगिक हो जाते हैं।

कार्यक्रम में प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह और छुआछूत जैसी कुरीतियों के खिलाफ भी आवाज उठाई ।महासचिव रविन्द्र यादव नेकहा कि उन्होंने समाज में फैली असमानताओं को खत्म करने के लिए उन्होंने लेखन और सामाजिक कार्य को हथियार बनाया। उनके द्वारा रचित कविताएं और लेख आज भी समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं।

गोष्ठी के दौरान उनके संघर्ष, उपलब्धियों और योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सावित्रीबाई फुले के दिखाए रास्ते पर चलकर शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाएं और भेदभाव के खिलाफ संगठित होकर संघर्ष करें।

अंत में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने संकल्प लिया कि पार्टी सावित्रीबाई फुले के सपनों का भारत बनाने के लिए शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय की लड़ाई को और तेज करेगी। कार्यक्रम का समापन ह्लसावित्रीबाई फुले अमर रहेंह्व और ह्लशिक्षा से ही समाज बदलेगाह्व जैसे नारों के साथ हुआ।

इस मौके पर सर्व श्री एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायक संदीप पटेल, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, अमरनाथ मौर्य, लाल चंद्र कुशवाहा, रविन्द्र यादव एडवोकेट,योगेश यादव,कमला यादव, दान बहादुर मधुर, महबूब उस्मानी, अजय यादव, शांति प्रकाश पटेल, संगम लाल मौर्य(जीएनएस)। मृत्युंजय पाण्डेय,कुलदीप यादव, आर एन यादव, नाटे चौधरी, संतोष यादव, महेन्द्र निषाद, राम आसरे पासी,आसुतोष दुबे, विकास सिंह, राजू पासी, सचिन श्रीवास्तव, श्रीमती चंचल पासी,सविन्द्र, दिलीप प्रजापति,त्रिभुवन यादव, भोला पाल, राकेश पाल, डॉ अरविन्द वर्मा, सुरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

मनरेगा में बदलाव के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल: बिहार में 47 दिनों तक चलेगा आंदोलन; विधानसभा घेराव का प्लान

(जीएनएस)।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए 10 जनवरी से 25 फरवरी तक 'मनरेगा बचाओ संग्राम' आंदोलन की घोषणा की है।

अभियान में जिला प्रेस कॉन्फ्रेंस, उपवास, जनसंपर्क और धरने शामिल हैं।

बिहार विधानसभा घेराव और अखिल भारतीय रैलियां भी प्रस्तावित हैं।

राज्य ब्यूरो, पटना। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर मनरेगा को कमजोर किए जाने का आरोप लगाते हुए 10 जनवरी से 25 फरवरी तक मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाने का एलान किया है। पार्टी का दावा है कि यह आंदोलन काम के अधिकार की रक्षा के लिए केंद्र सरकार की नीतियों से प्रभावित मनरेगा श्रमिकों

की आवाज को सड़क से संसद तक पहुंचाने का प्रयास है।

पार्टी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार अभियान की शुरूआत 8 जनवरी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) स्तर की तैयारी बैठकों से होगी। जिसमें आंदोलन की रूपरेखा, जिम्मेदारियां और रणनीति तय की जाएंगी। 10 जनवरी को सभी जिलों में जिला-स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा।

11 जनवरी को एक दिन का उपवास रखकर प्रतीकात्मक विरोध होगा। 12 जनवरी से 29 जनवरी तक पंचायत-स्तर पर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान सभी ग्राम पंचायतों में चौपालें आयोजित होंगी, जहां मनरेगा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

इसी अवधि में विधानसभा -स्तर पर नुक्कड़ सभाएं और पैम्फलेट वितरण के माध्यम से आम जनता को जागरूक किया जाएगा। 30 जनवरी को वार्ड-स्तर पर शांतिपूर्ण धरना आयोजित होगा, जबकि 31 जनवरी से 6 फरवरी तक जिलों में 'मनरेगा बचाओ धरना' दिया जाएगा।

विधानसभा घेराव का कार्यक्रम

आंदोलन के अगले चरण में 7 फरवरी से 15 फरवरी तक राज्य-स्तरीय विधानसभा घेराव का कार्यक्रम प्रस्तावित है। अंतिम चरण में 16 फरवरी से 25 फरवरी तक आंचलिक स्तर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्तर पर मनरेगा बचाओ रैलियां आयोजित होंगी।

बिहार कांग्रेस प्रवक्ता असितनाथ तिवारी के अनुसार मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए जीवन रेखा है और इसके बजट, मजदूरी व कार्य दिवसों में कटौती सीधे तौर पर करोड़ों परिवारों के रोजगार के अधिकार पर हमला है।

त्रिशूर रेलवे स्टेशन पर लगी भीषण आग, 200 गाड़ियां जलकर खाक

नई दिल्ली। केरल के त्रिशूर रेलवे स्टेशन पर रविवार को भीषण आग लग गई, जिसमें स्टेशन के पास बनी पार्किंग में खड़ी 200 से ज्यादा टू-व्हीलर गाड़ियां जलकर खाक हो गई। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर 2 के पास बने टू-व्हीलर पार्किंग एरिया में हुई, जिससे यात्रियों और आस-पास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग लगने की जानकारी

सुबह करीब 6.45 बजे मिली। आग की लपटों नें तेजी से पार्किंग एरिया को अपनी चपेट में ले लिया। यहां रोजाना आमतौर पर 500 से ज्यादा मोटरसाइकिल और स्कूटर खड़े होते हैं। माना जा रहा है कि खड़ी गाड़ियों में मौजूद फ्यूल की वजह से आग तेजी से फैली और उसकी तीव्रता बढ़ गई, जिससे कुछ ही मिनटों में भारी नुकसान हो गया। आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंच गए।

फायर टेंडर्स को आग बुझाने में करीब आधा घंटे के समय लगा और आग के सफलतापूर्वक बुझा दिया गया। हालांकि धुआं पूरे इलाके में कुछ समय तक छाया रहा, जिससे यात्रियों और स्टेशन स्टाफ को परेशानी की सामना करना पड़ा।

चश्मदीदों ने बताया कि कई गाड़ियां पूरी तरह जल गईं, जबकि कई अन्य को आंशिक नुकसान हुआ।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल एसआईआर : वेद गुप्ता

– पूरा मंडल में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की समीक्षा बैठक

(जीएनएस)।

अयोध्या। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार समीक्षा बैठकों का आयोजन जारी है। इसी क्रम में पूरा ब्लॉक क्षेत्र के एक पैलेस में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव की अगुवाई में बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूरा मंडल के प्रमुख महानगर पदाधिकारी और शक्ति केंद्र संयोजक शामिल हुए।

बैठक के दौरान अभियान के प्रथम चरण में किए गए कार्यों की प्रगति का बिंदुवार आकलन किया गया तथा दूसरे चरण की रणनीति पर गहन मंथन हुआ। आगामी चरण में बूथ स्तर पर गतिविधियों को और अधिक सशक्त करने पर विशेष बल दिया गया। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारियों का पूरे सामर्थ्य के साथ निवार्हन करे। अभियान को सफल बनाने के लिए सम्पर्क व संवाद को और तेज करने की जरुरत है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने संगठनात्मक तालमेल के साथ लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने शक्ति केंद्र संयोजकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रत्येक शक्ति केंद्र पर स्पष्ट कार्ययोजना बनाकर दायित्व तय किए जाएं। साथ ही उन्होंने तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग व समयबद्ध फॉलोअप को अभियान की सफलता के लिए आवश्यक बताया। बैठक में महानगर महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, हरभजन गौड़, अरविंद सिंह, कपिल देव वर्मा, दिनेश मिश्रा, देवता पटेल, प्रदीप सिंह, रमेश वर्मा, राजेश पाठक, संतोष सिंह, नीबूलाल कन्नौजिया मौजूद रहे।

राम मंदिर की सुरक्षा होगी अभेद्य, अत्याधुनिक इंतजामों के साथ बाउंड्री वॉल और वॉच टावर का निर्माण

(जीएनएस)।

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर की सुरक्षा पूरी तरह अभेद्य होगी और इसके लिए अत्याधुनिक इंतजाम किए जा रहे हैं।

नृपेंद्र मिश्रा दो दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर के चारों ओर लगभग चार किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिसमें आधुनिक सुरक्षा और निगरानी उपकरण लगाए जा रहे हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि गेट नंबर 11, जिसे आदि शंकराचार्य द्वार के नाम से जाना जाएगा, का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इस गेट पर आधुनिक सुरक्षा प्रणाली भी पूरी तरह स्थापित कर दी गई है। वहीं, जल्द ही गेट नंबर 3 के निर्माण कार्य की शुरूआत की जाएगी।

मंदिर परिसर की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए चार वॉच टावर बनाए जाएंगे। वॉच टावर और बाउंड्री वॉल के डिजाइन मॉडल को स्वीकृति मिल चुकी है और शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रावधानों को गोपनीय रखा गया है।

इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए एक और सुविधा की जानकारी देते हुए नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि सप्त ऋषियों के मंदिर के दर्शन की व्यवस्था भी जल्द प्रारंभ की जाएगी, जिससे भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव का और विस्तार मिलेगा।

थाना कोतवाली रुदौली पुलिस टीम ने विधुत तार चोरी घटना का सफल अनावरण कर 05 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

चोरी का सामान कीमत लगभग 5 लाख बरामद।

(जीएनएस)।

श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद अयोध्या डा0 गौरव ग्रोवर के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रूदौली द्वारा विधुत तार चोरी गैंग का अनावरण करने हेतु पुलिस टीमों का गठन कर अनावरण में लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा अभियान त्रिनेत्र के अन्तर्गत थाना क्षेत्र में स्थापित कैमरो की मदद 48 घण्टे के अन्दर घटना का सफल अनावरण करते हुए 05 अभियुक्तों को मय माल के गिरफ्तार किया गया गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण को मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है। उक्त घटना के संबंध में थाना स्थानीय पर 02/2026 धारा 303(2) ,317(2) / 3(5) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत है ।

अभियुक्त का नाम पताः

1.मनीष पाण्डेय पुत्र राजाराम पाण्डेय निवासी ग्राम परडी शाहगंज थाना इनायतनगर अयोध्या

अपराधिक इतिहास– मु0अ0सं0 308/24 धारा 303(2),317(2) बीएनएस थाना तारुन अयोध्या

2. कृष्ण कुमार पुत्र अमरनाथ नि0 कनकपुर सगरौली थाना तारून अयोध्या

3. गंगादीन पुत्र अंगद प्रसाद नि0 बन्नी पीपरी थाना बीकापुर अयोध्या

4. मनोज यादव पुत्र रामभवन यादव नि0 ग्राम शंकरपुर विक्रमजोत थाना छावनी जनपद बस्ती

5. आशीष साहू पुत्र अमर प्रसाद नि0 ग्राम पुरे जोधी शुक्ल का पुरवा थाना इनायत नगर अयोध्या

बरामदगी का विवरण –

1. 13 बंडल एल्युमीनियम का तार 33 केवी
2. तीन फेस केबिल 01 बंडल
3. एलटी एबीसी केबिल 04 बंडल
4. एलटी एबीसी केबिल
5. 395 एक बंडल
6. बीजल कंडक्टर 01 बंडल
7. एमएस चैनल एंगल 21 पीस
8. क्रास एआरएम 18 पीस
9. होल्डिग क्लेम्प 31 पीस
10. 01 अदद लोहे का कटर
11. 02 अदद लोहे की आरी, ,
12. 01 अदद लोहे का पेचकस
13. 02 अदद रिंच
14. 05 अदद मोबाईल टच स्क्रिन घटना में प्रयुक्त
15. 01 अदद घटना में प्रयुक्त पीकप वढ 32 फ्ठ 8540

गिरफ्तार करने वाली टीम

1. संजय मौर्य प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रूदौली अयोध्या
2. निरीक्षक शत्रुघन यादव
3. उ0नि0विपिन श्रीवास्तव
4. उ0नि0 अभय प्रताप सिंह
5. उ0नि0 अभिषेक सिंह
6. उ0नि0 गजेन्द्र कुमार
7. हे0का0 राजेश यादव
8. का0 रजत कुमार

रामनगर में चौकीदार के घर आग, तीन पशु झुलसे:शॉर्ट सर्किट से लाखों का सामान राख, 3 लाख का नुकसान

बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

बाराबंकी जिले की रामनगर तहसील के ग्राम पंचायत हथोइया के मजरा धौरछिया में शनिवार रात करीब 3:30 बजे बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस घटना में रामनगर थाने में चौकीदार के पद पर तैनात रामशंकर पुत्र तुलसीराम का छप्परनुमा घर जल गया। आग की चपेट में आने से घर में बंधी एक भैंस और उसके दो बच्चे झुलस गए।

आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक घर का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। पीड़ित रामशंकर और रामवीर ने बताया कि राशन, चारपाई, संदूक, साइकिल, पंपिंग सेट और भूसे में रखी गेहूं की चार बोरियां सहित गृहस्थी का पूरा सामान नष्ट हो गया।

इस अग्निकांड में करीब तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। घटना के बाद पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को विवश है।

घटना के बाद बिजली विभाग के स्थानीय कर्मचारियों को कई बार फोन पर सूचना दी गई, लेकिन घंटों तक उनका फोन नहीं उठा। करीब पांच घंटे बाद बिजली की आपूर्ति बंद की जा सकी।

ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर स्थानीय प्रशासन हरकत में आया। रामनगर की उप जिलाधिकारी गुंजिता अग्रवाल ने बताया कि मामले की जांच के लिए तत्काल लेखपाल को मौके पर भेजा गया है और पीड़ित परिवार को राहत दिलाने की कार्रवाई की जा रही है। पशु चिकित्साधिकारी बसंत राय पाटिल ने भी मौके पर चिकित्सक भेजकर झुलसे हुए पशुओं का इलाज शुरू कराया।

वहीं, बिजली विभाग के एसडीओ ने बताया कि विद्युत केंद्र सूरतगंज से कर्मचारियों को मौके पर भेजा जा रहा है और मामले की जांच की जाएगी।

दलित परिवार की जमीन पर जबरन कब्जे का प्रयास, खड़ी फसल रौंदी, विरोध पर लाठी-डंडों से पीटा, पुलिस पर एफआईआर न दर्ज करने का आरोप

बाराबंकी के लोनी कटरा थाना क्षेत्र में दलित परिवार की जमीन पर दबंगों द्वारा जबरन कब्जा करने, गेहूं की खड़ी फसल नष्ट करने और जातिसूचक गालियों के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार पुलिस पर विपक्षियों से साठगांठ कर एफआईआर दर्ज न करने का आरोप लगा रहा है। पढ़ें पूरी खबर विस्तार से

बाराबंकी, उत्तर प्रदेश।

बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र से दबंगई और कठित भू-माफिया के आतंक का एक गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने जिले की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि दबंगों द्वारा उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने, फसल नष्ट करने और मारपीट की घटना को चार दिन बीत जाने के बावजूद स्थानीय पुलिस विपक्षियों से साठगांठ के चलते अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है।

हसवापुर मजरे खैरा कनकू गांव का मामला

ग्राम हसवापुर मजरे खैरा कनकू निवासी अनुसूचित जाति के गरीब खेतिहर मजदूर बाबूलाल पासी पुत्र जगेसर पासी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दिनांक 30 दिसंबर 2025 की शाम करीब 5 बजे वह अपने परिवार के साथ अपनी गाटा संख्या-1006 मिन में लगी गेहूं की फसल की सिंचाई कर रहा था।

इसी दौरान अयोध्या प्रसाद पुत्र बैजू निवासी नई बस्ती अर्जुनगंज, जनपद लखनऊ अपनी पत्नी, माता, भाई समेत करीब 50 अज्ञात लोगों के साथ मौके पर पहुंचा। इनके लगभग 30 महिलाएं और 20 पुरुष शामिल थे, जो चार चारपहिया वाहनों और करीब 10 मोटरसाइकिलों से आए थे।

यह भी पढ़ें इं१ुल्ल्टः बाग में पेड़ पर लटका मिला शुक्रवार की सुबह घर से निकले अधेड़ का शव, परिजनों ने दोस्तो पर लगाया हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

लात-घूंसो व लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट

पीड़ित का आरोप है कि विपक्षियों ने बिना किसी वैधानिक आदेश के जबरन उसकी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से दो ट्रैक्टरों से खेत की जुताई कर गेहूं की खड़ी फसल को नष्ट करना शुरू कर दिया। जब बाबूलाल और उसके परिजनो ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मां बहन की भद्दी-भद्दी गालियां दी और लात-घूंसो व लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट में महिलाओं बच्चों समेत कई घायल

पीड़ित के अनुसार अयोध्या प्रसाद ने जान से मारने की नीयत से उसका गला दबाया और जमीन पर पटक दिया। आरोप है कि विपक्षियों के साथ मौजूद एक वकील ने बाबूलाल की पत्नी कल्पवती को भी लात मारकर गिरा दिया। शोर-शराबा सुनकर गांव के कुछ लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह पीड़ित परिवार को बचाया।

जाते-जाते आरोपी धमकी देकर गए कि आज तो बच गए, अगली बार जान से मार देंगें। मारपीट में बाबूलाल, उसकी पत्नी कल्पवती, पुत्र रामसिंह, बहू सरिता समेत परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह भी पढ़ें इं१ुल्ल्टः अभिनव श्रीवास्तव बने उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष, अजीत प्रताप सिंह को 17 मतों से चटाई धूल

नहीं उठा थानाध्यक्ष का सीयूजी नंबर

पीड़ित की पुत्री एडवोकेट अनुष्का, जो बाराबंकी सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करती है, ने बताया कि घटना के दौरान उन्होंने 4-5 बार थानाध्यक्ष लोनी कटरा के सीयूजी नंबर पर फोन किया, लेकिन विपक्षियों से कथित साठगांठ के चलते फोन नहीं उठाया गया। इसके बाद उन्होंने डायल-112 पर सूचना दी, साथ ही पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी बाराबंकी और एसडीएम हैदरगढ़ को फोन कर मदद मांगी। काफी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तब जाकर परिवार की जान बच सकी।

देखें घटना का वीडियो

घंटों थाने में बैठाने के बाद भी कार्रवाई शून्य

पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना वाले दिन ही वे लोनी कटरा थाने पहुंचे और लिखित तहरीर दी, लेकिन न तो उनकी रिपोर्ट दर्ज की गई और न ही घायलों का मेडिकल कराया गया। घंटों थाने में बैठाने के बाद उन्हें अगले दिन आने की बात कहकर वापस कर दिया गया। अगले दिन थाने पहुंचने पर थानाध्यक्ष ने इसे राजस्व विवाद बताकर एसडीएम हैदरगढ़ से संपर्क करने की सलाह दे दी।

एसडीएम और बीजेपी विधायक के निर्देश भी बेअसर

पीड़ित का कहना है कि इसके बाद उन्होंने एसडीएम हैदरगढ़ और क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत से भी न्याय की गुहार लगाई, लेकिन उनके निर्देशों के बाद भी थानाध्यक्ष लोनी कटरा अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कर रहे हैं। वही दूसरी ओर आरोपी लगातार पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकीं दे रहे हैं। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि विपक्षी भू-माफिया प्रवृत्ति के दबंग लोग है, जिनसे उन्हें जान-माल का गंभीर खतरा बना हुआ है।

गहनाग बाबा स्थल का होगा कायाकल्प, एक करोड़ रुपये से विकसित होंगी पर्यटन सुविधाएं

(जीएनएस)।

मिल्कीपुर विधायक के प्रस्ताव को तीर्थ विकास परिषद से मिली मंजूरी

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित इनायतनगर गहनाग बाबा स्थल पर शीघ्र ही पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा। मिल्कीपुर विधायक चन्द्रभानु पासवान द्वारा अयोध्या तीर्थ विकास परिषद को भेजे गए प्रस्ताव पर निदेशालय ने एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है। स्वीकृत राशि से स्थल पर बुनियादी एवं पर्यटक सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

न गहनाग बाबा स्थल क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां विभिन्न धार्मिक अवसरों पर मेले और कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जिनमें दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। यहां आधारभूत और पर्यटन सुविधाओं के विकास की आवश्यकता सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों द्वारा लगातार इस स्थल के विकास की मांग उठाई जाती थी।

स्थानीय जनता की भावनाओं और मांग को ध्यान में रखते हुए मिल्कीपुर विधायक चन्द्रभानु पासवान ने आस्तीकन गहनाग बाबा स्थल के पर्यटन विकास का प्रस्ताव तैयार कर अयोध्या तीर्थ विकास परिषद को भेजा था। इसके बाद इस परियोजना को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रेषित परियोजनाओं की सूची में सम्मिलित कर लिया गया। इस संबंध में अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा विधायक को पत्र लिखकर यह जानकारी दी गई कि आस्तीकन गहनाग बाबा स्थल पर पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए एक करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

स्वीकृति मिलने के बाद विधायक चन्द्रभानु पासवान ने कहा कि आस्तीकन गहनाग बाबा स्थल न केवल क्षेत्र की आस्था का प्रतीक है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर्यटन सुविधाओं के विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश भर में धार्मिक और पर्यटन स्थलों के समग्र विकास का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उसी क्रम में मिल्कीपुर विधानसभा के इस महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल को भी विकसित किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि कार्य को शीघ्र प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूरा कराया जाएगा, ताकि आस्तीकन गहनाग बाबा स्थल श्रद्धा के साथ-साथ पर्यटन के मानचित्र पर भी एक नई पहचान बना सके।

अयोध्या के दो राष्ट्रीय राजमार्गों पर शुरू हुई नई डिजिटल सुविधाएं

(जीएनएस)।

अयोध्या। अयोध्या से गुजरने वाले दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों एनएच-27 (रामसनेही घाट से गोरखपुर) और एनएच-330ए (जगदीशपुर से अयोध्या) पर यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा नई डिजिटल व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। इन पहलों का उद्देश्य यात्रियों को आवश्यक जानकारी, सुरक्षित यात्रा और डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रीय राजमार्गों के प्रमुख स्थानों पर क्यूआर कोड युक्त साइनबोर्ड लगाए गए हैं। ये बोर्ड टोल प्लाजा, विश्राम स्थल, ट्रक पार्किंग, वेजसाइड एमेनिटी तथा हाईवे के प्रारंभ और समाप्ति बिंदुओं पर स्थापित किए गए हैं। क्यूआर कोड स्कैन करने पर यात्रियों को राष्ट्रीय राजमार्ग का नंबर, चेनेज, परियोजना की लंबाई, निर्माण व रखरखाव अवधि, संबंधित अधिकारियों के संपर्क नंबर, आपातकालीन हेल्पलाइन 1033 और आसपास उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी मिल सकेगी।

टोल प्लाजा पर भुगतान व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए डायनेमिक क्यूआर कोड सिस्टम लागू किया गया है। जिन वाहनों के पास फास्टैग नहीं है, वे टोल बूथ पर लगे 18 इंच के टीएफटी/एलईडी मॉनिटर पर प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन कर यूपीआई के माध्यम से टोल शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। यूपीआई से भुगतान करने पर सामान्य फास्टैग शुल्क की तुलना में 1.25 गुना शुल्क देना होगा। इसके साथ ही एनएच-27 और एनएच-330ए पर विशेष रोड मार्किंग भी कराई गई है। इन मार्किंग्स के माध्यम से लेन अनुशासन, गति सीमा, ओवरटेकिंग नियम और अन्य यातायात संकेत स्पष्ट किए गए हैं, जिससे वाहन चालकों को मार्ग पर आवश्यक दिशा-निर्देश मिल सकें। एनएचएआई, पीआईयू अयोध्या के परियोजना निदेशक अवनीत सिद्धार्थ के अनुसार, इन व्यवस्थाओं से अयोध्या आने-जाने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान आवश्यक जानकारी और भुगतान में सुविधा मिलेगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

सीतापुर – जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 05 जनवरी 2026 दिन सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन प्रत्येक तहसील में किया जाएगा। उक्त तिथि को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील सिधौली में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन प्रस्तावित है।

बाराबंकी में भू-माफिया ने किसान की फसल नष्ट की:खेत पर कब्जे का प्रयास, लखनऊ से आए लोगों ने परिवार को पीटा

बाराबंकी जिले की हैदरगढ़ तहसील में भू-माफियाओं ने एक बुजुर्ग किसान की गेहूं की फसल को ट्रैक्टर से जोतकर नष्ट करने का प्रयास किया। आरोप है कि भू-माफियाओं ने किसान और उसके परिवार के साथ मारपीट भी की। पीड़ित किसान ने उपजिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

यह घटना 30 दिसंबर 2025 को शाम करीब 5 बजे थाना लोनीकटरा के ग्राम हसवापुर मजरे खैराकनकू में हुई। पीड़ित बाबूलाल पुत्र जगेसर अपनी गाटा संख्या 1006मि० में लगी गेहूं की फसल की सिंचाई करने परिवार सहित खेत पर गए थे।

उसी दौरान अयोध्या प्रसाद पुत्र बैजू निवासी नई बस्ती अर्जुनगंज, लखनऊ, अपनी पत्नी, माता, वकील और लगभग 50 अज्ञात व्यक्तियों (30 महिलाएं, 20 पुरुष) के साथ चार गाड़ियों और 10 मोटरसाइकिलों से मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने बिना किसी आदेश के दो ट्रैक्टरों से बाबूलाल की फसल को जोतना शुरू कर दिया।

जब बाबूलाल और उनके परिवार ने इसका विरोध किया, तो भू-माफिया अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके। इसके बाद विपक्षीजनों ने बाबूलाल के परिवार को गालियां दीं और लात-घूसों व डंडों से मारपीट करने लगे। अयोध्या प्रसाद ने बाबूलाल का गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की और उन्हें जमीन पर गिरा दिया।

गांव के कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर बाबूलाल को बचाया। इस मारपीट में बाबूलाल और उनके परिवार के सदस्यों को चोटें आई हैं। जाते समय भू-माफियाओं ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने तत्काल 112 नंबर और स्थानीय थाने को सूचना दी।

उच्च अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए पुलिस को मौके पर भेजा, जिसने बाबूलाल और उनके परिवार को भू-माफियाओं से बचाया। इस संबंध में उपजिलाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि अवैध कब्जा करने की शिकायत मिली थी, जिस पर कार्यवाही के लिए थाने को निर्देश दिए गए हैं।

आजमगढ़: आजमगढ़ में जमीन पर गुंडाराज, दबंग बेखौफ, पीड़ित को मिली धमकी का इनाम, कानून व्यवस्था बनी तमाशबीन

जब पैमाइश कागजात और सच सब सामने है फिर भी दबंग का मनोबल किसके दम पर आसमान छू रहा है बड़ा सवाल आजमगढ़ की जनता पूछ रही है क्या कानून सिर्फ फाइलों में जिंदा है और जमीन पर अभी दबंग का राज कायम है रानी की सराय थाना क्षेत्र के कयामपुर स्थित खाली जमीन पर राम सिंगर उपाध्याय पुत्र स्वर्गीय उदराज उपाध्याय से विधवाहट एग्रीमेंट कराया था पड़ोसियों का कब्जा डंडों केबल पर

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अपने कार्यों से कार्यकुशल होने को साबित कर रहे सीएम साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को नई दिल्ली में वरिष्ठ पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि अब तक राज्य में विकास की गतिविधियां नक्सली हिसा के कारण बाधित थीं किन्तु इस वक्त राज्य में वाम उग्रावाद समाप्त प्रायः है। राज्य में सरकार तेजी से विकास कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जब दो वर्ष पूर्व राज्य में संपन्न हुए चुनाव में जनता ने उन्हें सरकार बनाने का अवसर दिया तो उस वक्त देश में नक्सल हिसा का 80 प्रातिशत अकेला छत्तीसगढ़ में था। किन्तु गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह वाम उग्रावाद समाप्त करने की घोषणा करके राज्य सरकार का नाम सिर्प उत्साह से बढ़ाया बल्कि छत्तीसगढ़ की तमाम विकास योजनाओं को लागू करने की प्रोरणा भी दी। दरअसल मुख्यमंत्री साय के कहने का तात्पर्य था कि यदि राजनीतिक प्राशासन ठान ले तो कठिन से कठिन समस्या का भी समाधान संभव है। छत्तीसगढ़ में इतने बीहड़ जंगल हैं कि इन्हीं में नक्सली खुद को अजेय समझते थे। मुख्यमंत्री साय के पहले की सरकार नक्सल समस्या को सामाजिक और आर्थिक बताकर नक्सलियों के प्राति कठोर रणनीति नहीं अपनाती थी। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को कई चौंकाने वाली जानकारी दी। उनमें से एक है कि राशन लेने के लिए ग्रामीणों को पर्वत पार करके एक कस्बे तक जाना होता था। हैरानी की बात यह है कि ग्रामीण अपने गांव से पैदल ही कस्बे तक जाते थे तो उन्हें रात में पर्वत पर विश्राम करना होता था फिर राशन लेकर वापस होते वक्त दोबारा दूसरे दिन उसी पर्वत पर विश्राम करते थे, फिर तीसरे दिन वे अपने गांव में पहुंचते थे। मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान निकालने के लिए उसी गांव में राशन की दुकान खुलवा दी। असल में मुख्यमंत्री साय यह कहना चाहते थे कि छत्तीसगढ़ के जंगलों में वुछ ऐसे गांव हैं जिनका आज तक सव्रेक्षण ही नहीं हो पाया है। इसका एक ही कारण है कि भयंकर घने जंगलों में कब्जा करके नक्सली बैठे हुए थे। किसी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी की हिम्मत नहीं होती थी कि वह उन गांवों में चला जाए। यही कारण है कि वे ग्रामीण सरकार की विकास योजनाओं से अछूते रह गए। वास्तविकता तो यह है कि सभी सरकारों ने जंगल के उन गावों में सड़क और बिजली की व्यवस्था के लिए स्कीम तो बनाया किन्तु उन्होंने नक्सली समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला इसलिए राज्य में विकास कार्य अधूरा ही रह गया। बहरहाल मुख्यमंत्री ने विकास कार्यो की जानकारी दी जिसमें प्राधानमंत्री आवास के वुल 18 लाख घरों में से 8 लाख की चाबी उनके मालिक को देने की बात की। यही नहीं उन्होंने तो यहां तक कहा कि जो नक्सली हिसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं उन्हें न सिर्प प्रातिमाह 10 हजार रुपए की सरकारी अनुदान दिया जा रहा है बल्कि यदि वह शहर या देहात में आवास बनाना चाहते हैं तो राज्य सरकार निाति नीतियों के अनुसार भूमि भी दे रही है। लब्बोलुआब यह है कि यदि कोई मुख्यमंत्री ठान ले तो पत्थर पर भी हरी–भरी घास उगा सकता है। मुख्यमंत्री साय का वेंद्र सरकार से समन्वय, निर्णय लेने की क्षमता और ईमानदारी से किए गए प्रायास का ही परिणाम है कि नक्सली हिसा से अभिशप्त यह राज्य अब विकास की दिशा में गतिमान हो चुका है।

आयुष निर्यात संवर्द्धन परिषद ने नई दिल्ली में चौथी स्थापना वर्षगांठ मनाई

एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के उपायों और व्यापार समझौतों में शामिल होने के कारण 2024–25 में आयुष का निर्यात 6.11 प्रतिशत बढ़कर 68.89 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया

(जीएनएस)।

आयुष निर्यात संवर्द्धन परिषद (आयुषएक्सिल) ने आज नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों और वेलनेस उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों के तहत अपनी चौथी स्थापना वर्षगांठ मनाई।

अपनी स्थापना के बाद से, आयुषएक्सिल ने निर्यातकों की क्षमता निर्माण, निर्यात प्रक्रियाओं और नियामक अनुपालन को सुविधाजनक बनाने, और प्रमुख विदेशी बाजारों में बी2बी बैठकों, अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों, सेमिनारों और पहुंच कार्यक्रमों के आयोजन पर केन्द्रित कई पहल की हैं।

आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात में 6.11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 2023–24 में 64.92 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024–25 में 68.89 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है। आयुषएक्सिल की स्थापना के बाद, यह वृद्धि और तेज हुई है, जो भारत की पारंपरिक दवाओं और हर्बल उत्पादों के लिए बेहतर ग्लोबल पहुंच और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग को दिखाता है।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों (आयुष) को द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में भी औपचारिक मान्यता मिली है, जिसमें भारत–ओमान सीईपीए और भारत–न्यूजीलैंड एफटीए शामिल हैं, जिनमें स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं और पारंपरिक चिकित्सा पर समर्पित एनेक्स हैं। आयुषएक्सिल को आयुष मंत्रालय के

आयुष क्वालिटी मार्क कार्यक्रम को संभालने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे डब्ल्यूएचओ शिखर सम्मेलन (17–19 दिसम्बर 2025) के दौरान शुरू किया था, जो आयुष प्रोडक्ट्स के क्वालिटी एश्योरेंस और वैश्विक मान्यता को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जैसे ही आयुषएक्ससिल अपने पांचवें साल में प्रवेश कर रहा है, परिषद का लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करना, मुक्त व्यापार समझौतों के तहत अवसरों का लाभ उठाना, गुणवत्ता और प्रमाणन ढांचे को बढ़ावा देना और भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति को बढ़ाना है।

यह वर्षगांठ आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के विजन के अनुरूप, वैश्विक आयुष और वेलनेस अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते नेतृत्व को रेखांकित करती है।

आयुषएक्सिल को 4 जनवरी 2022 को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, नई दिल्ली में सेक्शन 8 कंपनी के तौर पर रजिस्टर किया गया था, और 20 अप्रैल 2022 को गुजरात के गांधीनगर में हुए ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट एंड इनोवेशन समिट के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने औपचारिक रूप से इसकी शुरूआत की थी। इसके बाद, 31 जुलाई 2023 को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) ने इस काउंसिल को आयुष सेक्टर के लिए नोडल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के तौर पर अधिसूचित किया।

यह परिषद आयुष मंत्रालय के साथ मिलकर काम करती है, और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के सहयोग से आयुर्वेद, योग और नेचुरोपैथी, यूनानी, सिद्ध, सोवा–रिग्पा, होम्योपैथी और अन्य भारतीय पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों से संबंधित उत्पादों और सेवाओं के निर्यात की देखरेख करती है।

राह–वीरः बिना किसी डर के जीवन बचाएं – नेक आदमी की सुरक्षा यह सुनिश्चित करती है कि आपको किसी भी बात की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है

(जीएनएस)।

सड़क दुर्घटना के दौरान हर पल महत्वपूर्ण होता है, विशेषकर उस महत्वपूर्ण 'गोल्डन आवर' में जब समय पर सहायता मिलने से किसी की जान बच सकती है। ऐसे क्षणों में आगे आने वाले लोगों का समर्थन और सुरक्षा करने के लिए, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 की धारा 134ए के तहत 2020 में गुड समैरिटन रूल्स अधिसूचित किए। ये नियम एक सरल विश्वास पर आधारित हैं – दुर्घटना पीड़ित की सहायता करने वाले किसी भी व्यक्ति को ऐसा करने से कभी डरना नहीं चाहिए। जो लोग साहस दिखाते हुए किसी घायल अजनबी को उठाकर, अक्सर उसका नाम भी जाने बिना, उसे निकटतम अस्पताल ले जाते हैं, उन्हें राह–वीर कहा जाता है।

किसी दुर्घटना पीड़ित की सहायता करने वाले नेक आदमी को कानूनी झंझटों में नहीं फंसाया जा सकता, उससे व्यक्तिगत जानकारी देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता या उसे अनावश्यक रूप से हिरासत में नहीं लिया जा सकता है। उनकी सहायता करने की इच्छा का सम्मान किया जाता है और उनकी गरिमा और

निजता की रक्षा की जाती है।

गोल्डन आवर में जीवन बचाना

कानून के अनुसार, गंभीर चोट लगने के बाद का पहला घंटा 'गोल्डन आवर' कहलाता है जो चिकित्सा सहायता के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस अवधि के दौरान त्वरित सहायता से आजीवन विकलांगता, आघात और अनगिनत मौतों को रोका जा सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राह–वीर बनने के लिए आपको चिकित्सा प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है। आपको विशेष उपकरणों की भी आवश्यकता नहीं है। कभी–कभी, आपकी सहायता करने की इच्छा ही सबसे बड़ी सहायता होती है।

एक नेक आदमी बननाः आपको जानना चाहिए – क्या करें और क्या न करें

क्या करेंः आपके अधिकार और जिम्मेदारियां

बिना किसी डर के सहायता करेंः सद्भावना से कार्य करने पर आपको कानूनी रूप से नागरिक या आपराधिक दायित्व से सुरक्षा प्राप्त है।

यह जान लें कि आप गुमनाम रह सकते हैंः जब तक आप गवाह बनना न चाहें, तब तक आपको व्यक्तिगत विवरण साझा करने की आवश्यकता नहीं है।

कृपया केवल एक बार ही पुलिस को बयान दे सकते हैंः यदि आप गवाह के रूप में स्वेच्छा से उपस्थित होते हैं तो आपकी सुविधानुसार किसी भी समय और स्थान पर आपसे एक बार पूछताछ की जा सकती है।

अस्पताल से रसीद अवश्य प्राप्त करेंः आपको इस बात की साधारण पुष्टि प्राप्त करने का अधिकार है कि आप पीड़ित को उपचार के लिए लाए थे।

क्या न करेंः वे मिथक जिन पर आपको विश्वास नहीं करना चाहिए

कानूनी चिंताओं के कारण संकोच न करेंः यह प्रणाली राह–वीरों की रक्षा के लिए बनाई गई है।

अस्पताल में रुकने के लिए बाध्य महसूस न करेंः एक बार मरीज को भर्ती कर लिया जाए तो आप जाने के लिए स्वतंत्र हैं।

इलाज के लिए भुगतान न करेंः अस्पताल आपातकालीन देखभाल के लिए आपसे भुगतान की मांग नहीं कर सकते।

एफआईआर दर्ज कराने या गवाही देने के लिए खुद को बाध्य महसूस न करेंः गवाह बनना आपकी व्यक्तिगत पसंद है।

यदि आप गुमनाम रहना पसंद करते हैं तो व्यक्तिगत विवरण प्रकट न करेंः यह आपका अधिकार है।

अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए जाने की अनुमति न देंः इसकी अनुमति नहीं है।

हमें और अधिक राह–वीरों की आवश्यकता है

बेहतर सड़कों और बढ़ते बुनियादी ढांचे के बावजूद, भारत में सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने और मरने वालों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, भारत दुनिया में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाओं वाले देशों में से एक है। वास्तव में, माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि इन दुर्घटनाओं का आर्थिक प्रभाव बहुत बड़ा है जिससे देश को अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 3 प्रतिशत नुकसान होता है। यह आईआईटी दिल्ली की एक रिपोर्ट में बताया गया है।

सड़कें लोगों को जोड़ने और अवसर पैदा करने के लिए होती हैं, फिर भी अक्सर वे दुखद, रोकी जा सकने वाली दुर्घटनाओं का कारण बन जाती हैं। इनमें से कई मौतें इसलिए नहीं होती कि सहायता संभव नहीं थी बल्कि इसलिए होती हैं क्योंकि सहायता समय पर नहीं पहुंच पाती। राहगीर अक्सर पुलिस की पूछताछ, अस्पताल की प्रक्रियाओं या कानूनी पेचीदगियों के डर से दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने में हिचकिचाते हैं। इस हिचकिचाहट के कारण "गोल्डन आवर" के कीमती मिनट बर्बाद हो जाते हैं, जब समय पर चिकित्सा देखभाल जीवन बचा सकती है।

राह–वीरों के लिए मान्यता और वित्तीय सहायता

'राह–वीर' (नेक आदमी) योजना इन व्यक्तियों को वित्तीय मान्यता भी प्रदान करती है और उन्हें वास्तविक जीवन के नायकों के रूप में सम्मानित करती है जिन्होंने संकोच के बजाय करुणा को चुना।

इस योजना के तहत, जो भी व्यक्ति दुर्घटना पीड़ित को गोल्डन आवर के भीतर चिकित्सा सहायता दिलाने में मदद करता है, उसे 25,000 रुपये का पुरस्कार और प्रशंसा पत्र दिया जाता है। साथ ही, बहादुरी के ऐसे कार्यों को दोहराने पर साल में पांच बार तक यह सम्मान प्राप्त किया जा सकता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह योजना आत्मविश्वास, भरोसा और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देती है जहां सड़क पर दूसरों की सहायता करना एक साझा जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिए गर्व होता है।

राह–वीर केवल एक योजना या नीति से कहीं बढ़कर है। यह साहस, सहानुभूति और सामूहिक जिम्मेदारी है।

अगली बार जब आप कोई दुर्घटना देखें, तो याद रखेंः त्रासदी और जीवन के बीच आप ही एकमात्र उम्मीद हो सकते हैं। और किसी की जान बचाने के लिए आपको डॉक्टर होने की जरूरत नहीं है, बस इंसान होना जरूरी है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले गुवाहाटी में मानव पूंजी कार्यसमूह की बैठक आयोजित होगी

(जीएनएस)।

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत इंडिया एआई, असम सरकार तथा आईआईटी गुवाहाटी के सहयोग से 5–6 जनवरी 2026 को आईआईटी गुवाहाटी परिसर में 'ूमन कैपिटल वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित की जाएगी। इस वर्किंग ग्रुप की अध्यक्षता प्रो. टी. जी. सीताराम, 'ूमन कैपिटल वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के पूर्व एआईसीटीई अध्यक्ष, द्वारा की जाएगी। दो दिवसीय इस बैठक में वरिष्ठ नीति–निमार्ता, शिक्षाविद्, उद्योग विशेषज्ञ और प्रैक्टिशनर्स भाग लेंगे, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में शिक्षा, कौशल विकास और कार्यबल की तैयारियों के भविष्य पर विचार–विमर्श करेंगे।

इस कार्यक्रम में श्री सैयदैन अब्बासी, आईएएस, विशेष मुख्य सचिव, असम सरकार; श्री के. एस. गोपीनाथ नारायण, आईएएस, प्रधान सचिव (आईटी), असम सरकार;

तथा श्री अश्वनी कुमार, आईएएस, निदेशक, आईटी विभाग, असम सरकार की सहभागिता रहेगी।

इस अवसर पर प्रो. जलिहाल, निदेशक, आईआईटी गुवाहाटी; प्रो. गौतम बरुआ, पूर्व निदेशक, आईआईटी गुवाहाटी; सुश्री शिखा दहिया, संयुक्त निदेशक, इंडिया एआई, टी३ सहित अन्य सरकारी अधिकारी, शिक्षाविद् एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र में प्रो. टी. जी. सीताराम द्वारा एक समिट संबोधन भी दिया जाएगा, जिसमें वे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की रूपरेखा के अंतर्गत 'ूमन कैपिटल विजन को प्रस्तुत करेंगे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) को एक सार्वजनिक उपयोगिता के रूप में देखने के उद्देश्य पर आधारित यह वर्किंग ग्रुप बैठक अक-आधारित कार्यबल परिवर्तन के लिए समावेशी, स्केलेबल और जिम्मेदार दृष्टिकोणों के निर्माण पर केंद्रित होगी। विचार–विमर्श में शिक्षा सुधार, लैंगिक संवेदनशील (जेंडर–रिस्पॉन्सिव) अक रणनीतियों, तथा विभिन्न क्षेत्रों में मानवीय क्षमताओं के क्षेत्र–विशिष्ट सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि अक को अपनाने की प्रक्रिया मानव क्षमता को कमजोर करने के बजाय उसे सुदृढ़ कर सके।

कार्यसूची में विशेषज्ञ पैनल चचाएं शामिल हैं, जिनमें अक संक्रमण के लिए लैंगिक–संवेदनशील रणनीतियाँ, संज्ञानात्मक युग के लिए शिक्षा की नई परिभाषा, राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन की संरचना, एक समावेशी और सशक्त भारत का निर्माण, तथा अक शिक्षा के लिए रिवर्स इंजीनियरिंग दृष्टिकोण जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

डिजाइन आधारित प्रोत्साहन योजना, भारत के सेमीकंडक्टर डिजाइन इकोसिस्टम को बढ़ावा

(जीएनएस)।

सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन मुख्य मूल्य चालक है, जो मूल्य वर्धन में 50 प्रतिशत तक, सामग्री सूची [बिल ऑफ मटीरियल्स (बीओएम)] की लागत में 20 50 प्रतिशत और फैबलेस सेगमेंट के जरिए वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की बिक्री में 30 35 प्रतिशत का योगदान देता है।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना का उद्देश्य एक आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी चिप डिजाइन इकोसिस्टम बनाना है।

24 डीएलआई–समर्थित चिप डिजाइन परियोजनाएं वीडियो सर्विलांस, ड्रोन डिटेक्शन, एनर्जी मीटरिंग, माइक्रोप्रोसेसर, सैटेलाइट कम्यूनिकेशन और आईओटी एसओसी सहित रणनीतिक क्षेत्रों को लक्षित करती हैं।

डीएलआई–समर्थित परियोजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिनमें 16 टेप–आउट, 6 एएसआईसी चिप, 10 पेटेंट, 1,000 से अधिक इंजीनियर काम कर रहे हैं और 3 गुना से अधिक निजी निवेश का सदुपयोग किया गया है।

भूमिका

भारत सेमीकंडक्टर से जुड़ी अपनी महत्वाकांक्षाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वह सेमीकंडक्टर चिप को स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, संचार, रक्षा, अंतरिक्ष और उभरते डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए अहम मानता है। तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण एवं स्वचालन की पृष्ठभूमि में, वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर चिप की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसके जवाब में, भारत सरकार सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के जरिए, घरेलू सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रही है। चूंकि सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग कुछ ही जगहों में सीमित है, परिणामस्वरूप वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बेहद नाजुक और व्यवधानों की दृष्टि से संवेदनशील हो जाती हैं। यह स्थिति वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग आधार में विविधता लाने की तत्काल जरूरत को रेखांकित करती है, जिसमें भारत वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में एक रणनीतिक एवं भरोसेमंद भागीदार के रूप में तेजी से उभर रहा है।

क्या आप जानते हैंः फैबलेस चिप डिजाइन सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का मुख्य आधार है

इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में, फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनियों का रणनीतिक मूल्य सबसे अधिक होता है क्योंकि वे ऐसे चिप डिजाइन करती हैं जो उत्पाद की बुद्धिमत्ता, दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाते हैं। जहां फैब्स सिलिकॉन बनाते हैं और ईएमएस फर्में उपकरण को असेंबल करती हैं, वहीं एक सेमीकंडक्टर का आधा से अधिक मूल्य वास्तविक उत्पादन से नहीं बल्कि डिजाइन और आईपी से आता है। फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन मॉडल अपेक्षाकृत कम पूंजीगत खर्च से अधिक मूल्य वर्धन सृजित करते हैं, क्योंकि डिजाइन और आईपी उत्पाद के आर्थिक मूल्य में बेहद अधिक योगदान देते हैं।

मजबूत फैबलेस क्षमता के बिना, कोई भी देश आयातित कोर तकनीक पर ही निर्भर रहता है। भले ही इलेक्ट्रॉनिक्स का उत्पादन स्थानीय पर ही क्यों न किया जाता हो। इसलिए, एक मजबूत फैबलेस इकोसिस्टम बनाने से भारत मूल्य श्रृंखला की सबसे जरूरी परत का मालिक बन सकता है, बौद्धिक संपदा को बनाए रख सकता है, आयात में कमी ला सकता है, मैन्यूफैक्चरिंग को आकर्षित कर सकता है और दीर्घकालिक तकनीकी नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

डीएलआई योजना

डिजाइन आधारित प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना भारत की एक मजबूत फैबलेस क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने का एक अहम जरिया है। यह योजना इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत लागू की गई है ताकि घरेलू स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वित्तीय प्रोत्साहन व डिजाइन संबंधी उन्नत बुनियादी ढांचा सुलभ कराकर एक मजबूत, आत्मनिर्भर चिप डिजाइन इकोसिस्टम को बढ़ावा दिया जा सके।

डीएलआई योजना पूरी प्रक्रिया डिजाइन एवं विकास से लेकर उपयोग तक – जिसमें इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी), चिपसेट, सिस्टम–ऑन–चिप (एसओसी), सिस्टम और आईपी कोर शामिल हैं – में सेमीकंडक्टर डिजाइन को समर्थन प्रदान करती है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में स्वदेशी सेमीकंडक्टर कंटेंट और बौद्धिक संपदा को बढ़ावा देकर, इस योजना का उद्देश्य आयात पर निर्भरता को कम करना, आपूर्ति श्रृंखला को और अधिक सुदृढ़ करना तथा घरेलू मूल्य वर्धन को बेहतर बनाना है।

स्पर्श की अनुभूति का उत्सव : भारत में ब्रेल से संबंधित अधिकार और समावेश

(जीएनएस)।

विश्व ब्रेल दिवस

प्रतिवर्ष 4 जनवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व ब्रेल दिवस' ब्रेल लिपि को केवल पढ़ने की एक प्रणाली के रूप में नहीं, बल्कि दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए शिक्षा, गरिमा और समान भागीदारी के प्रवेश द्वार के रूप में रेखांकित करता है। इस महत्व की झलक भारत के उन प्रयासों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जहाँ समावेशी शिक्षण के लिए ब्रेल को अपनाया और मानकीकृत किया गया है। भारत में ब्रेल लिपि का आगमन 1887 में हुआ था। हालाँकि, 1951 में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारती ब्रेल को एकमात्र राष्ट्रीय मानक के रूप में स्वीकार किया गया, जिसने विभिन्न भारतीय भाषाओं के लिए साझा कोड निर्धारित किए। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में दृष्टिबाधित व्यक्तियों की संख्या 50,32,463 है, जिन्हें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और रोजगार प्राप्त करने में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं को समझते हुए, भारत में ब्रेल को अब एक अधिकार–आधारित इकोसिस्टम का हिस्सा बना दिया गया है। यह ढांचा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 जैसी पहलों और नीतियों पर आधारित है। ये निरंतर प्रयास ब्रेल को न केवल साक्षरता के एक साधन के रूप में, बल्कि सार्वजनिक पहुँच के एक अनिवार्य मानक के रूप में स्थापित करते हैं।

ब्रेल क्या है और यह कैसे काम करती है?

ब्रेल एक स्पर्शजन्य (छू कर लिखने और पढ़ने) लेखन और पठन

प्रणाली है, जिसका उपयोग उन लोगों द्वारा किया जाता है जो दृष्टिबाधित हैं या जिनकी दृष्टि कमजोर है। यह छह–बिंदुओं वाले एक सेल पर आधारित होती है, जिसमें तीन–तीन बिंदुओं की दो पंक्तियाँ होती हैं। उभरे हुए इन बिंदुओं के विभिन्न संयोजन अक्षरों, संख्याओं, विराम चिह्नों और प्रतीकों को दशार्ते हैं, जिससे यूजर्स स्पर्श के माध्यम से पढ़ने में सक्षम होते हैं।

ब्रेल (जिसका नाम 19वीं सदी के फ्रांस में इसके आविष्कारक लुई ब्रेल के नाम पर रखा गया) स्वयं में कोई भाषा नहीं है, बल्कि एक कोड है जो विभिन्न भाषाओं को स्पर्शजन्य रूप (छूकर पढ़ने और लिखने) में पढ़ने और लिखने की सुविधा प्रदान करता है।

ब्रेल का महत्व

दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए साक्षरता, स्वतंत्रता और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने में ब्रेल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह समावेशी शिक्षा और सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में समान भागीदारी का मुख्य आधार है।

संयुक्त राष्ट्र के दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन (यूएनसीआरपीडी) के एक हस्ताक्षरकर्ता देश के रूप में, भारत ब्रेल सहित अन्य सुलभ प्रारूपों में सूचना और शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत सरकारः ब्रेल समर्थित नीतिगत और कार्यक्रम इकोसिस्टम

भारत सरकार ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के समावेशन और सशक्तिकरण के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में, ब्रेल के विकास, प्रसार और उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक इकोसिस्टम स्थापित किया है। समानता, गरिमा और सामाजिक न्याय की संवैधानिक प्रतिबद्धताओं में निहित ये पहलें—शिक्षा, सामाजिक कल्याण, कौशल विकास और डिजिटल एक्सेसिबिलिटी के क्षेत्रों तक विस्तृत हैं।

1) कानूनी आधारः दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम)

भारत का ब्रेल इकोसिस्टम दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के माध्यम से एक अधिकार–आधारित कानूनी ढांचे से जुड़ा हुआ है। यह अधिनियम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समावेशी शिक्षा को अनिवार्य बनाता है, जिससे ब्रेल तक पहुँच और ब्रेल साक्षरता एक बुनियादी आवश्यकता बन गई है।

शैक्षणिक संस्थानों का कर्तव्य (समावेशी शिक्षा)ः यह अधिनियम सरकार द्वारा वित्तपोषित या मान्यता प्राप्त सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए समावेशी शिक्षा और सुलभ बुनियादी ढांचा (भवन/कैंपस/सुविधाएं) सुनिश्चित करना अनिवार्य बनाता है। इसके साथ ही, संस्थानों को छात्रों की जरूरतों के अनुसार उचित आवास और उपयुक्त सहायता प्रदान करनी होगी।

स्कूली शिक्षा में ब्रेल और संचार के माध्यमः दृष्टिबाधित (या बधिर–दृष्टिबाधित) छात्रों के लिए, यह अधिनियम संचार के सबसे उपयुक्त माध्यमों और भाषाओं में शिक्षा देने पर जोर देता है।

रॉबर्ट्सगंज मे चल रहें शॉपकीपर के प्रशिक्षण का समापन

सोनभद्र (जीएनएस)।

रॉबर्ट्सगंज ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान लोढ़ी टोल प्लाजा के पास 28 दिसंबर से चल रहें शॉपकीपर का प्रशिक्षण रविवार को समापन हो गया। रविवार को दोपहर बाद प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें अभ्यर्थियों को संस्थान के निदेशक विशाल खन्ना द्वारा प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। 6 दिवसीय इस प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को कुशल ट्रेनर द्वारा फैक्ट्री या प्रोडक्शन यूनिट या सर्विस सेक्टर के साथ ही साथ उद्यमिता के बारे में भी जानकारी दी गई। संस्थान के निर्देशक विशाल खन्ना ने बताया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान पर 28 दिसंबर 2025 से 6 दिवसीय शॉपकीपर का प्रशिक्षण

कार्यक्रम का आज समापन हो गया। इस दौरान कुल 35 महिला पुरुष अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें अभ्यर्थियों को उद्यमिता विकास, बैंकिंग, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, मार्केट सर्वे, फील्ड विजिट के बारे में निःशुल्क बताया गया। प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया साथ ही साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 5 लाख तक का लोन दिलाने में भी मदद किया जायेगा। इससे अभ्यर्थी आगे चलकर अपना स्वयं का रोजगार कर सकेंगे और दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकेंगे। संस्थान पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण निःशुल्क भोजन एवं निशुल्क हॉस्टल की सुविधा भी उपलब्ध रहती।

सामाजिक समरसता के लिए भेदभाव खत्म करना जरूरी-शिव मूर्ति

(जीएनएस)।

सोनभद्र में रविवार को विकास खंड घोरावल के नन्हकूराम पब्लिक स्कूल और चतरा के अनन्या मैरिज हाल मे सकल हिंदू समाज द्वारा हिंदू सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)काशी प्रांत के प्रांत सद्भभाव प्रमुख शिव मूर्ति और अनुराग कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिव मूर्ति ने सामाजिक समरसता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, भाषा या संपत्ति से नहीं होना चाहिए।सामाजिक भेदभाव को खत्म करना अत्यंत आवश्यक है ताकि सच्ची सामाजिक समरसता स्थापित हो सके। उन्होंने सामाजिक एकता की पहली शर्त बताते हुए कहा कि

मन से भेदभाव की भावना को खत्म करना और हर व्यक्ति को अपना समझना ही वास्तविक एकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता यज्ञ नाथ मिश्रा और आदित्यनाथ पाठक ने की। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में आप रहते हैं, वहां सभी हिंदुओं में आपके दोस्त होने चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया हिंदुओं के बीच जाति, भाषा, क्षेत्र और संप्रदाय के आधार पर अंतर देखती है, लेकिन हमें उन सभी में दोस्त बनाने चाहिए। कार्यक्रम का सफल संचालन राजीव कुमार मिश्रा और रमेश राम पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर हिंदू सम्मेलन के जिला संयोजक आलोक कुमार चतुर्वेदी, सह संयोजक राजीव कुमार, खंड सह संयोजक रमेश चौबे सहित गणेश देव पांडे, सर्वेश पाठक समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नाबालिक गैंगरेप के तीन आरोपी गिरफ्तार, मुठभेड़ में एक जघन्य अपराधी के पैर में लगी गोली

(जीएनएस)।

सोनभद्र के ओबरा थाना पुलिस ने पॉक्सो और एससी/एसटी एक्ट से संबंधित एक जघन्य अपराध का 30 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में एक अभियुक्त मुठभेड़ के दौरान घायल हो गया। 2 जनवरी 2026 को ओबरा थाने में आवेदिका ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी 17 वर्षीय बेटी, जो मजदूरी के उद्देश्य से ग्राम भलुआ टोला में किराए के कमरे में रहती थी, के साथ दुष्कर्म किया गया। शिकायत के अनुसार, बेटी के साथ काम करने वाले राजगीर मिस्त्री पप्पू उर्फ बिन्दू यादव (निवासी कनहरा, ओबरा) ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर 30 दिसंबर 2026 को उसे भलुआ टोला के पूरब स्थित पहाड़ी

पर ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, ओबरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने लगातार दबिश दी। 3/4 जनवरी 2026 की रात को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने बिल्ली मारकुंडी खदान क्षेत्र में घेराबंदी की। वहां से अभियुक्त पप्पू उर्फ बिन्दू यादव (उम्र करीब 30 वर्ष) और अर्जुन डोम (उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी भलुआ टोला) को गिरफ्तार कर लिया गया। तीसरे अभियुक्त करन डोम उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी सेक्टर-10 लंका कॉलोनी ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग की। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में करन के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। उसके कब्जे से एक .315 बोर का तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। घायल अभियुक्त करन डोम को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

ब्रेनलुई जी के जन्मजयंती के अवसर पर दृष्टि बाधित खिलाड़ियों का क्रिकेट मैच का मुकाबला

सोनभद्र (जीएनएस)।

रॉबर्ट्सगंज के हाईडील मैदान पर चल रहें विधायक खेल महाकुम्भ मे रविवार को ब्रेनलुई जी के जन्मजयंती के अवसर पर दृष्टि बाधित खिलाड़ियों का क्रिकेट मैच का मुकाबला हुआ। जिलाधिकारी सोनभद्र बद्रीनाथ सिंह, विधायक भूपेश चौबे,पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा अजीत चौबे ने सम्मानित खेल प्रेमियों के साथ सर्व प्रथम स्व0 लुई ब्रेल जी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर खेल का शुभारम्भ किया। रॉबर्ट्सगंज वॉरियर्स और चतरा वारियर्स के बीच मैच का टॉस कराकर मैच का शुभारंभ किया गया। रॉबर्ट्सगंज वॉरियर्स की टीम 5 वे ओवर में इस मैच को 09 विकेट से जीत लिया। दिव्यांग सभी खिलाड़ियों को सोनभद्र एसडीएम वागेश शुक्ल के द्वारा प्रशस्ति पत्र व मैडल दिया गया। दूसरी प्रतियोगिता महिला क्रिकेट मैच प्रकाश जीनियस स्कूल और सहीजन कला के बीच नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षा रूबी प्रसाद ब्रम्हकुमारी आश्रम की संचालक बहन सुमन दीदी के द्वारा टास कराकर मैच का शुभारंभ

किया गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रकाश जीनियस स्कूल की टीम ने अंतिम बाल पर मैच को जीत लिया। तीसरा खेल महिलाओं के बीच कुर्सी दौड़ का खेल भी खेला गया जिसमें डा0अनुपमा सिंह व श्वेता केसरी जी विजयी रही।

चौथा खेल रस्साकसी (अमृत खेल) का आयोजन भाजपा महिला मोर्चा के महिलाओं के बीच खेला गया, जिसमें भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह की टीम विजयी रही। प्रतिभागी सभी महिला खिलाड़ियों को नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्ष रूबी प्रसाद डा0अनुपमा सिंह,रचना तिवारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र व मैडल देकर सम्मानित किया गया।

मरकरी नहर मर्डर केस की गुत्थी सुलझी,मुख्य अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र में मरकरी नहर में मिले एक अज्ञात शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी सुदीप देव पाण्डेय उर्फ सूरज को गिरफ्तार किया है। पुलिस को 2 जनवरी को मरकरी नहर में एक शव मिलने की सूचना मिली थी। उसकी शिनाख्त अखिलेश यादव उर्फ कन्हैया यादव (25) निवासी नौडिहा, थाना पन्नूगंज के रूप में की। परिजनों ने बताया कि अखिलेश 23 दिसंबर 2025 से लापता था, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही पन्नूगंज थाने में दर्ज कराई गई थी। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देश पर गठित टीमों ने साक्ष्य संकलन और विवेचना के बाद कार्रवाई की। 4 जनवरी को मुख्य आरोपी सुदीप देव पाण्डेय उर्फ सूरज (26) निवासी नरोत्तमपुर, थाना पन्नूगंज को गेरूई नर्सरी के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी सुदीप ने पुलिस को बताया कि 23 दिसंबर 2025 की शाम उसने फोन पर बात करके अखिलेश उर्फ कन्हैया को अपनी गाड़ी से सजौर बुलाया। वहां से दोनों बंटी उर्फ सोनू उर्फ प्रतीक(27) निवासी जैत, थाना रॉबर्ट्सगंज नामक व्यक्ति के पास गए और उससे हेरोइन खरीदी। उन्होंने एक मेडिकल स्टोर से

दवा और इंजेक्शन भी लिए। इसके बाद दोनों सजौर स्थित एक मकान पर पहुंचे। आरोपी ने बताया कि उसने खुद को 5 एमएल हेरोइन का इंजेक्शन लगाया और अखिलेश को 10 एमएल हेरोइन का इंजेक्शन दिया। इंजेक्शन लगाने के बाद अखिलेश के मुंह से झाग निकलने लगा। यह देखकर सुदीप घबरा गया और उसने अखिलेश का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत

हो गई। मृत्यु के बाद, आरोपी सुदीप ने 24/25 दिसंबर 2025 की भोर में लगभग 5 से 5:30 बजे के बीच अखिलेश के शव को अपनी बोलेरो गाड़ी में लादकर मरकरी नहर में फेंक दिया। इस मामले में बंटी उर्फ सोनू उर्फ प्रतीक, पुत्र अवधेश, निवासी जैत, थाना रॉबर्ट्सगंज अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना पन्नूगंज के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्र, थाना रॉबर्ट्सगंज के प्रभारी निरीक्षक माधव सिंह मय टीम, कांस्टेबल सुशील सिंह, हेड कांस्टेबल रामनिवास यादव और कांस्टेबल दीपक गिरि शामिल थे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन

(जीएनएस)।

जनपद सोनभद्र के घोरावल ब्लॉक के शाहगंज मे डोहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे, जहां उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गईं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोहरी के मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज डॉ. अवधेश सिंह ने मरीजों की जांच की और उन्हें आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। फार्मासिस्ट योगेंद्र कुमार, वार्ड ब्वॉय सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी भी मरीजों के इलाज और

दवा वितरण में सहयोग करते नजर आए। पीएचसी प्रभारी डॉ. अवधेश सिंह ने बताया कि मौसम को देखते हुए मरीज को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। आरोग्य मेले में अधिकांश मरीज सर्दी, जुकाम, बुखार और त्वचा संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे सभी की जांच कर निःशुल्क दवा दिया गया। मरीज संग आए परिजनों को डॉक्टर अवधेश ने बताया कि इस समय बच्चों एवं बुजुर्गों पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकले और हमेशा गर्म कपड़े से शरीर को ढके रहे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

ओवरटेक के चक्कर मे ट्रक और कुरियर वाहन मे टक्कर,दो घायल

(जीएनएस)।

सोनभद्र के म्योरपुर थाना क्षेत्र के रनटोला गांव में बीजपुर-मुर्धवा मार्ग पर शनिवार की देर रात एक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार हादसा शनिवार देर रात क‍ी है जब सामने से आ रहे एक ट्रक ने कुरियर वाहन (जितो) को टक्कर मार दी। हादसा उस समय हुआ जब कुरियर वाहन एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रहा था। दुर्घटना में वाहन पर सवार कुरियर ब्वाय राजू चौहान (35) और शुभम (28), दोनों निवासी रेणुकूट, गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर में भर्ती कराया, जहां चिकित्सक डॉ. धर्मराज सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया। वहां से भी चिकित्सकों ने दोनों को ट्रामा सेंटर वाराणसी भेज दिया। बताया गया कि दोनों युवक बीजपुर से काम कर रेणुकूट लौट रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

ग्राम मोकरम मे अम्बेडकर स्थल पर अराजक तत्वों का जमावड़ा, बाउंड्री वाल की मांग

(जीएनएस)।

रॉबर्ट्सगंज ब्लाक के ग्राम पंचायत पलिया के गांव मोकरम में अंबेडकर स्थल के पास बाउंड्री वॉल ना होने से गांव वालों को काफी परेशानी होती है। चारों तरफ से खुला होने के कारण यह स्थान सुरक्षित नहीं है आए दिन यहां अराजक तत्वों का जमावड़ा होता रहता है। डॉ भीमराव अंबेडकर समिति ग्राम मोकरम के अध्यक्ष बद्री प्रसाद ने बताया कि 2023-24 में पूर्वांचल विकास निधि योजना अंतर्गत ग्राम मोकरम के अंबेडकर स्थल के पास चबूतरा एवं

छतरी निर्माण कार्य का लोकार्पण विधायक घोरावल विधानसभा डॉ अनिल कुमार मौर्य द्वारा किया गया था। इसी समय से इस स्थान पर बाउंड्री वॉल के निर्माण की भी मांग होती रही है। बद्री प्रसाद ने बताया कि इस स्थान पर सार्वजनिक कार्यक्रम भी होते रहते हैं बाउंड्री बोल ना होने से यह स्थान गंदगी से भर जाता है एवं सुरक्षित भी नहीं होता,साथ ही आए दिन अराजक तत्व यहां एकत्रित होकर हंगामा करते हैं। गांव में यदि कोई सार्वजनिक कार्यक्रम करना होता है तो पहले इस स्थान की साफ सफाई करनी पड़ती है तभी यहां कोई कार्य हो पता है। यदि इस स्थान पर बाउंड्री वॉल का निर्माण कर दिया जाए साथ ही एक गेट लगा दिया जाए तो यह स्थान सुरक्षित हो जाएगा। अन्य ग्रामीण कैलाश, विजय, सुदामा,राम जी,गणेश, हीरावती,गीता,तेतरी, पतली,मुन्नी,कांति सहित दर्जनों ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग किया है कि इस अंबेडकर स्थल के पास बाउंड्री वॉल का निर्माण करा कर एक गेट लगाया जाए जिससे यह स्थान सुरक्षित हो सके।

कुछ बड़ा होने वाला ! ट्रम्प के निशाने पर अब यह 3 देश, राष्ट्रपतियों को दी खुली धमकी-'अगली तुम्हारी बारी...अपनी जान बचा लो

(जीएनएस)।

वेनेजुएला में बड़े अमेरिकी सैन्य हमले और राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मेक्सिको, क्यूबा और कोलंबिया को चेतावनी दी है। ट्रम्प ने इन देशों पर नशा-तस्करी और आतंकी नेटवर्क को संरक्षण देने का आरोप लगाया,

: वेनेजुएला में अमेरिकी सेना द्वारा किए गए बड़े सैन्य हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का अगला निशाना मेक्सिको, क्यूबा और कोलंबिया हैं। इन तीनों देशों को सख्त चेतावनी देते हुए ट्रम्प ने साफ शब्दों में कहा कि

अगर इन देशों ने नशा-तस्करी और कथित नार्को-आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण नहीं किया, तो अगली बारी उनकी ही है और अमेरिका आगे भी कार्रवाई कर सकता है इसलिए इसके राष्ट्रपति अपनी जान बचा लें। ट्रम्प ने संकेत दिया कि अमेरिका क्षेत्र में ह्लबूट्स ऑन द ग्राउंडह्व यानी जमीनी सैन्य तैनाती से भी पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अभियान इस बात का संकेत है कि अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को लेकर अब किसी तरह की नरमी नहीं बरतेगा।

क्यूबा पर बयान

क्यूबा को लेकर ट्रम्प ने कहा कि यह एक ह्लअसफल राष्ट्रह्व बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका क्यूबा के लोगों की मदद करना चाहता है, ठीक उसी तरह जैसे वह वेनेजुएला के लोगों के लिए कर रहा है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका उन लोगों की भी सहायता करना चाहता है जिन्हें क्यूबा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा और जो अब अमेरिका में रह रहे हैं।